प्रायोगिक मत्स्य केंन्द्र,छीड़ापानी पर मत्स्य पालक दिवस का आयोजन

देश में प्रथम बार 10 जुलाई 1957 को सतत् प्रयास एवं सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय मत्स्य वैज्ञानिक डा. हीरालाल चौधरी एवं डा. के.एच अलिकुनी ने उड़ीसा के अंगुल नामक जगह पर इंन्डियन मेजर कार्प (कार्प) मछलियों के कृत्रिम विधि द्वारा उत्प्रेरित प्रजनन करने में सफलता प्राप्त कर एक नया इतिहार रच दिया। इस कृत्रिम प्रजनन विधि ने मछली खेती के लिए नये द्वार खोल दिये, और देश में नीली क्रान्ति का उद्भव हुआ। इसी का परिणाम है कि आज देश मत्स्य उत्पादन में तीसरा एवं अर्न्तस्थलीय मछली उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर हैं देश में लगभग 21–22 हजार मिलियन फ्राई (मत्स्य बीज) का उत्पादन होता है। इस उल्लेखनीय सफलता की याद प्रतिवर्ष पूरे देश में में 10 जुलाई **मत्स्य कृषक दिवस** के रूप में अपनाया जाता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय के छीड़ापानी स्थित अनुसंधान केंन्द्र, चम्पावत पर यह दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसमें बनलेख,मुड़ियानी,दुधपोखरा छीड़ापानी आदि गॉवों के 31 नौजवान कृषकों एवं महिलाओं ने भागीदारी की।

कृषकों को इस अवसर पर ट्राउट एवं कार्प मछलियों के रेसवे एवं टैकों की देखभाल, उन्नत कॉमन कार्प मछलियों के प्रजनन, बीज उत्पादन एवं मत्स्य बीज परिवहन हेतु पैकिंग की विधियॉ, आदि भ्रमण दौरान दिखाये गये। एवं इस अवसर पर वैज्ञानिक कृषक संवाद का आयोजन भी किया गया जिसमें कृषकों ने अपनी समस्याओं रखी केंन्द्र के वैज्ञानिकों ने समस्या के समाधान के अचित उपाय सुझाये। कार्यक्रम में केंन्द्र के प्रभारी अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0सुरेश चन्द्रा, ने सभी किसानों को शुभकामनाऐं देते हुये उन्हें एकीकृत मछली पालन अपनाकर लाभ अर्जित करने की सलाह दी। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डा0 ए0के0 सिह के मार्गदर्शन में केंन्द्र एवं निदेशालय द्वारा नवीनतम विकसित किसान उपयोगी तकनीकीयों से अवगत कराया। इस अवसर पर केन्द्र पर उत्पादित उन्नत हंगेरियन कॉर्प के मत्स्य बीज वितरित किये। कार्यक्रम में वैज्ञानिक, श्री ए.के. गिरी, डा0 राधवेन्द्र सिंह, श्री परवेज अहमद गनीं एवं तकनिकी अधिकारी श्री रविन्द्रर कुमार एवं हंसा दत्त के अलावा श्री अरूण खुल्बे , श्री भोला दत्त मौनी, श्रीमती बसन्ती देवी , श्री धर्म सिंह, श्री महेश चन्द्र जोशी, श्रीमती पुष्पा गोस्वामी,श्रीमती भवानी देवी, श्री लीलाधर आदि कर्मचारी उपस्थित रहें।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस
10 जुलाई 2017

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद